

表面（三月）

裏面（四月）



具注暦木簡復元図

（表面） 矢印を中心に折り返してみてください

（裏面）

三月大	一日癸丑開	九坎天倉	重	廿九日辛巳除	重	往亡
	二日甲寅閉	婦忌	重	廿八日庚辰建	重	
	三日乙卯建	厭対	重	廿七日己卯閉	重	
	四日丙辰除		重	廿六日戊寅開	血忌厭対	
	五日丁巳滿		重	廿五日丁丑収	婦忌天倉	
	六日戊午平		重	廿四日丙子成	婦忌天倉	
	七日己未定	血忌	重	廿三日乙亥危	重	
	八日庚申執	血忌	重	廿二日甲戌破	九坎	
	九日辛酉破	上玄岡虚厭	重	廿一日癸酉執	重	
	十日壬戌破	三月節急盈九坎	重	二十日癸未平	重	
	十一日癸亥危	重馬牛出掠	重	十九日辛未平	重	
	十二日甲子成	絶紀婦忌	重	十八日庚午滿	重	
	十三日乙丑収	天間日	重	十七日己巳除	重	
	十四日丙寅開	血忌	重	十六日戊辰建	重	
	十五日丁卯閉	厭対	重	十五日丁卯閉	重	
	十六日戊辰建		重	十四日丙寅開	重	
	十七日己巳除		重	十三日乙丑収	重	
	十八日庚午滿		重	十二日甲子成	重	
	十九日辛未平		重	十一日癸亥危	重	
	廿日壬申定	厭	重	十日壬戌破	重	
	廿一日癸酉執	九坎	重	九日辛酉破	重	
	廿二日甲戌破		重	八日庚申執	重	
	廿三日乙亥危	重	重	七日己未定	重	
	廿四日丙子成	婦忌天倉	重	六日戊午平	重	
	廿五日丁丑収	三月中	重	五日丁巳滿	重	
	廿六日戊寅開	血忌厭対	重	四日丙辰除	重	
	廿七日己卯閉		重	三日乙卯建	重	
	廿八日庚辰建		重	二日甲寅閉	重	
	廿九日辛巳除	重	重	一日癸丑開	重	
	卅日壬午滿	往亡	重			

卅日壬午滿	往亡	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	重	
-------	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

## 発見!! 持続3年の具注暦木簡（飛鳥藤原第122次）

石神遺跡から出土したこの円盤状の木簡は、具注暦と呼ばれたカレンダーの一部です。干支の下には「建、除、満、平、定、執、破、危、成、収、開、閉」の順にめぐる「十二直」が規則正しく並びます。その下には、「九坎」（万事に凶）、「婦忌」（この日の婦宅は凶）、「血忌」（この日の出血は凶）、「天倉」（倉開きに吉）など、その日の吉凶が記されています。「上玄（弦）」（上弦の月）、「望」（満月）といった、月の満ち欠けも書かれています。以上のような情報を読み解くことによって、表面が持続3年（689）3月8日～14日、裏面が同年4月13日～19日の暦

であることがわかりました。日本最古の現存するカレンダーです。「元嘉暦」という、中国から百済を経由して日本に伝えられた最初の暦です。

周囲が丸く削られているのは、廃棄後に木器として転用されたからです。もともとは、表面に3月、裏面に4月、それぞれ1ヵ月分の暦日を記した長方形の板であったと推定されます（復元図参照）。

具注暦は天皇の名のもと政府が作る正式の暦で、官司や諸国にはその写しが頒布されました。本来は紙に書かれた巻物ですが、同時に多数の役人たちがみられるよう、板材に書き写すという工夫をしたのでしょう。（飛鳥藤原宮跡発掘調査部 市 大樹）